Dear Parents,

Session 2018-2019 is progressing quite well. We just had our 'Orientation Session' with Primary, Middle and Secondary schoolers parents and it was heartening to see your approach, co-operation and support. APS family extends gratitude for it.

A warm welcome to students who have joined our school this session. We stand committed to providing quality education to our children. The teachers follow a detailed plan of instruction that is guided by CBSE and AWES. SAMC is our pillar of strength as our teachers focus on holistic development of our students. We shall certainly continue to implement our 'Systems Approach' to support all students by using interventions to help each child make academic progress. Progress is best assured when student, parents and school are working towards same goal. It's like when every player is an active member, the team is sure to be the best and everyone is a winner. So let's strive to be all winners!

For Summer Break Assignments, practice sheets are devised to ensure revisions for coming assessment. Kindly go to the website: www.apsbinnaguri.org and follow these steps for the same

Steps to download:

i. Browse the website→ Home page (first page of the website)
ii. Then check the Bulletin Board→ link will be available.

OR

Home Page→ Click on 'APS News' option→ Choose Holiday Homework option from the dropdown menu.

We would also seek your co-operation to help lift up academics. We would welcome parents to offer their names for substitute facilitators/ teachers, judges for events round the year. Kindly e-mail at apsbinnaguri1@gmail.com or give your details at Front Desk.

We truly believe that an entire community is needed to empower our students to become successful citizens. I look forward to a great year and working with such an amazing community.

Awaiting your constructive suggestions.

आर्मी पब्लिक स्कूल,बिन्नागुड़ी, सेट-1

प्रथम इकाई परीक्षा अभ्यासपत्र : (2018-19)

विषय:- हिंदी कक्षा:- 9वीं

समय:-90 मिनट पूर्णांक:-40

प्रश्न 1.निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखें -

राष्ट्रीय एकता एक प्रबल शक्ति है | यह वीरता और बलिदान के कार्यों को बढ़ावा देती है और जनता में आत्मविश्वास उत्पन्न करती है | यह देशवासियों को उन्नति के पथ पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है | संसार के लोगों ने राष्ट्रीय एकता की भावना से प्रेरित होकर अपूर्व उन्नति की है | राष्ट्रीय एकता जनता को व्यक्ति और समाज दोनों रूपों में प्रोत्साहन और प्रेरणा देती है | जब महात्मा गाँधी ने असहयोग आंदोलन आरंभ किया तो समूचा राष्ट्र एक भावना से गाँधी जी के साथ हो लिया | एकता और संगठन की भावना जागृत करने के लिए उन्होंने नगरीय और ग्रामीण क्षेत्रों पर आधारित अनेक रचनात्मक कार्यक्रम आरंभ किए | आजादी के बाद समस्त भारत भावनात्मक एकता के सूत्र में बँधा है | चीनी अतिक्रमण इसका जीता-जागता प्रमाण पस्तुत करता है | इस कठिन समय में भारतवासियों की भावनात्मक एकता एकदम व्यावहारिक एकता में परिवर्तित हो गई और आक्रांता चीन की चुनौती का पूरे राष्ट्र ने ललकार के साथ उत्तर दिया | इस समय हमारे देश को उसी प्रकार की भावनात्मक एकता की आवश्यकता है |

(क). गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए | (ख). राष्ट्रीय एकता देशवासियों को क्या प्रेरणा देती है?

(ग). गाँधी जी ने किस भावना को जागृत करने के लिए रचनात्मक कार्यक्रम आरंभ किए?

(घ). किसके बल पर भारतवासियों ने चीनी आक्रमण का सामना किया? (ङ). वर्तमान समय में देश को किस प्रकार की एकता की आवश्यकता है ?

प्रश्न 2.निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर में लिखिए:

चौड़ी सड़क गली पतली थी
दिन का समय घनी बदली थी
रामदास उस दिन उदास था
अंत समय आ गया पास था
उसे बता यह दिया गया था, उसकी हत्या होगी |
धीरे-धीरे चला अकेले
सोचा साथ किसी को ले ले

फिर रह गया, सड़क पर सब थे
सभी जानते थे यह, उस दिन उसकी हत्या होगी |
खड़ा हुआ वह बीच सड़क पर
दोनों हाथ पेट पर रख कर
साढ़े कदम रख करके आए,
लोग सिमट कर आँख गड़ाए
लोग देखने उसको, जिसकी तय था हत्या होगी |

निकल गली से तब हत्यारा
आया उसने नाम पुकारा
हाथ तौलकर चाकू मारा
छूटा लोहू का फव्वारा
कहा नहीं था उसने आखिर, उसकी हत्या होगी ?

(क). रामदास की उदासी का क्या कारण था ? (ख). वह अपने साथ किसी को लेते-लेते क्यों रुक गया ?

(ग). सड़क पर हत्या होने का क्या मतलब है ? (घ). जनता के सामने एक आम आदमी की हत्या किस बात का सूचक है ?

(ङ). काव्यांश में कानून व्यवस्था की पोल किस तरह खोली गई है ?

प्रश्न3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये -

(क). गोधूलि गाँव में ही क्यों होती है ? (ख). खरबूजे बेचनेवाली से कोई खरबूजा क्यों नहीं खरीद रहा था ?

(ग). 'धूल' पाठ में गाँव के बचपन और नगर के बचपन में क्या अंतर बताया गया है ?

प्रश्न 4.निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये -

(क).रैदास के प्रभु ने किन लोगों का उद्धार किया है ? (ख). रहीम ने कैसे लोगों को पशु से भी गया-गुजरा माना है ?

(ग). चित्रकूट की महिमा बताते हुए रहीम ने क्या कहा है ?

प्रश्न 5.'गिल्लू' पाठ के आधार बताएँ कि कौवे को एक साथ समादरित और अनादरित क्यों कहा गया है ?

प्रश्न 6.निम्नलिखित शब्दों का वर्ण-विच्छेद करें – विज्ञापित, प्रतिक्षण

प्रश्न 7.निम्नलिखित में उचित शब्दों पर अनुस्वार और अनुनासिक का प्रयोग करें - जहा, सगम, ठडा, हसना |

प्रश्न 8.निम्नलिखित उपसर्गों एवं प्रत्ययों से एक-एक शब्द बनाएँ – सु, इमा |

प्रश्न 9.निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थान पर नुक्ता का प्रयोग करें- | फलक, जमानत

प्रश्न 10.विद्यालय की ओर से विद्यार्थियों को मनाली भ्रमण के लिए ले जाया जा रहा है | भ्रमण पर जाने की अनुमति माँगते हुए पिताजी को पत्र लिखिए |

प्रश्न 11.टेस्टी केक एंड बेकर्स की ओर से अपने उत्पादों के लिए एक विज्ञापन तैयार कीजिए |

****

आर्मी पब्लिक स्कूल,बिन्नागुड़ी, सेट-2

प्रथम इकाई परीक्षा अभ्यासपत्र : (2018-19)

विषय:- हिंदी कक्षा:- 9वीं

समय:-90 मिनट पूर्णांक:-40

प्रश्न 1.निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखें -

खेल हमारे शरीर की सुगठित बनाते है तथा हमारी कार्य-क्षमता को बढ़ाते हैं | जीवनभर अगर युवक बने रहना है तो खेलों से अच्छा कोई साधन नहीं है | खेलकूद हमारे अंदर मिलकर काम करने की भावना का विकास करते हैं | किसी टीम की विजय में उसके सभी खिलाड़ियों का योगदान होता है | इससे सामूहिकता के साथ काम करने की आदत विकसित होती है | इस प्रकार खेल-कूद हमारे अंदर संगठन और सहयोग, परस्पर विशवास, अनुशासन और आज्ञाकारिता, साहस, सहनशीलता, आदि अच्छे गुणों का विकास करते हैं | हारनेवाला खिलाड़ी मुस्कराकर विजयी खिलाड़ी को बधाई देता है और आगे से अच्छे-से-अच्छा खेलने का संकल्प करता है | खेल हमें विपरीत परिस्थितियों के आगे न झुकने की प्रेरणा देते हैं |

(क). खेल हमारे शरीर पर क्या प्रभाव डालते हैं ?

(ख). खेलकूद हमारे अंदर कैसी भावना का विकास करते हैं ?

(ग). खेलकूद हमारे अंदर किन श्रेष्ठ गुणों का विकास करते हैं ?

(घ). खेल में हारनेवाला खिलाड़ी क्या करता है ?

(ङ). गद्यांश का उचित शीर्षक क्या हो सकता है ?

प्रश्न 2.निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नो के उत्तर में लिखिए:

संकटों से वीर घबराते नहीं
आपदाएँ देख छिप जाते नहीं |
लग गए जिस काम में, पूरा किया,
काम करके व्यर्थ पछताते नहीं |
हो सरल अथवा कठिन हो रास्ता,
कर्मवीरों को न इससे वास्ता |

बढ़ चले तो अंत तक ही बढ़ चले,
कठिनतर गिरि-श्रृंग ऊपर चढ़ चले |
कठिन पथ को देख मुसकाते सदा,
संकटों के बीच वे गाते सदा |
है असंभव कुछ नहीं उनके लिए,
सरल-संभव कर दिखाते वे सदा |

यह 'असंभव' कायरों का शब्द है,
कहा था नेपोलियन ने एक दिन |
सच बताऊँ ज़िंदगी ही व्यर्थ है,
दर्प बिन, उत्साह बिन, औ शक्ति बिन |

(क).काव्यांश में वीरों व कायरों की किन विशेषताओं पर बल दिया गया है ?

(ख).कर्मवीरों को किस बात से कोई लेना-देना नहीं होता ?

(ग). नेपोलियन ने क्या कहा था ?

(घ). कवि के अनुसार किसके-किसके बिना मानव जीवन व्यर्थ है ?

(ङ). काव्यांश का शीर्षक लिखें |

प्रश्न3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये -

(क) धूल पाठ में वर्तमान सभ्यता पर क्या व्यंग्य किया गया है ?

(ख) लेखक भगवाना की माँ की सहायता करना चाहते हुए भी क्यों न कर सका ?

(ग) भगवाना की माँ की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए ?

प्रश्न 4.निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये -

(क) कवि ने किस दृष्टान्त द्वारा सिद्ध किया है कि बिगड़ी बात नहीं बन सकती ?

(ख) रैदास ने प्रभु की तुलना चंदन से तथा भक्त की तुलना पानी से कर क्या सिद्ध करने का प्रयास किया है ?

(ग) रैदास ने सोना और सुहागे की चर्चा किस प्रसंग में किया है ?

प्रश्न 5. 'गिल्लू' पाठ के आधार गिल्लू की उन चेष्टाओं का उल्लेख करें जिसमे मानवीय गुणों के पुट मिलते है ?

प्रश्न 6.निम्नलिखित शब्दों का वर्ण-विच्छेद करें – वीरांगना , चंद्रमा

प्रश्न 7.निम्नलिखित में उचित शब्दों पर अनुस्वार और अनुनासिक का प्रयोग करें– ककाल,सहार, सकूगा, अगुठा |

प्रश्न 8.निम्नलिखित उपसर्गों एवं प्रत्ययों से क्रमशः एक-एक शब्द बनाएँ – अन, ता |

प्रश्न 9.निम्नलिखित शब्दों में से उचित शब्दों में उचित स्थान पर नुक्ता का प्रयोग करें- अंडज, ख्वाजा, बर्फ, फल

प्रश्न 10.पशु-पक्षियों का मानव-जीवन में महत्त्व बताकर उनके प्रति क्रूर व्यवहार न करने की हिदायत देते हुए अपने छोटे भाई को एक पत्र लिखिए |

प्रश्न 11.सर्वोदय विद्यालय, बदली में शिक्षकों की भर्ती हेतु विज्ञापन लिखिए |

****

आर्मी पब्लिक स्कूल,बिन्नागुड़ी, **सेट-3**

प्रथम इकाई परीक्षा अभ्यासपत्र : (2018-19)

विषय:- हिंदी कक्षा:- 9वीं

समय:-90 मिनट **पूर्णांक:-40**

प्रश्न 1.निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखें -

जीवन रुकने का नहीं चलने का नाम है ? कुछ लोग असफलता की अवस्था में निराश होकर अपने उत्साह का दामन छोड़ बैठते हैं | वे भूल जाते हैं कि परिश्रम एवं प्रयत्न में भाग्य को बदल देने की भी क्षमता होती है | आलसी बनकर रोना-धोना व्यर्थ है | मनुष्य इस संसार का सर्वश्रेष्ठ प्राणी है | अत: उसे अपना जीवन सार्थक बनाने के लिए आशा का सहारा लेना चाहिए | आलसी बनकर समय व्यर्थ बिताना अपने साथ अन्याय करना है | हमें अपने साधनों एवं क्षमताओं का प्रयोग कर प्रगति के पथ पर बढ़ना चाहिए | हमें भावानात्मक कार्य की अपेक्षा रचनात्मक कार्य करने चाहिए | दुःख में घबराना कायरता का प्रतीक है | हर शाम सूरज को ढलना ही है | रात को आना ही है, तो क्या अँधेरे में हाथ-पर-हाथ रखकर बैठे रहा जाए, या उठकर एक दीपक जला लें | सूर्य के समक्ष दीपक की क्या बिसात | पर एक दीपक भी पर्याप्त है एक घर को रोशन कर देने के लिए |

(क). असफलता की स्थिति में व्यक्ति का क्या कर्तव्य होना चाहिए ? **(ख).** प्रगति के पथ पर अग्रसर होने के लिए क्या आवश्यक है ?

(ग). लेखक ने अपने साथ अन्याय करना किसे माना है ? **(घ).** 'एक दीपक भी पर्याप्त है घर को रोशन करने के लिए'- पंक्ति से क्या अभिप्राय है ?

(ङ). जीवन किसका नाम है ?

प्रश्न 2.निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नो के उत्तर में लिखिए:

जिसकी रज में लोट-लोटकर बड़े हुए हैं, घुटनों के बल सरक-सरककर बड़े हुए हैं, परमहंस सम बाल्यकाल में सब सुख पाए, जिसके कारण धूल भरे हीरे कहलाए, हम खेले-कूदे हर्षयुत, जिसकी प्यारी गोद में	हे मातृभूमि तुझको निरख, मग्न क्यों न हो मोद में ? षट्ऋतुओं का विविध दृश्य युत अदभुत क्रम है, हरियाली का फर्श नहीं मखमल से कम है, शुचि-सुधा सींचता रात में, तुझ पर चंद्रप्रकाश है | हे मातृभूमि, दिन में तरणि, करता तम का नाश है	

(क). मातृभूमि की गोद में हम किस तरह से बड़े हुए हैं ? **(ख).** बाल्यकाल के बारे में कवि ने क्या कहा है ?

(ग). प्रस्तुत काव्यांश में किसकी महिमा गाई गई है ? **(घ).**कवि ने किसकी तुलना मखमल से की है ?

(ङ). चन्द्रमा और सूर्य मातृभूमि पर क्या प्रभाव डालते है ?

प्रश्न3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये -

(क) भगवाना को बचाने के लिए बुढ़िया ने क्या प्रयास किया ? (ख) मनुष्य के जीवन में पोशाक का क्या महत्त्व है ?

(ख) अखाड़े की मिटटी की क्या विशेषता होती है ?

प्रश्न 4.निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये -

(क) प्रेम से भरे संबंध के बारे में रहीम ने क्या कहा है ?

(ख) हमें अपने दुःख को दूसरों के सामने क्यों नहीं कहना चाहिए ?

(ग) रैदास ने अपने पद में समाज में व्याप्त किस बुराई का उल्लेख किया है ? उसे कैसे दूर किया जा सकता है ?

प्रश्न 5. 'गिल्लू' पाठ के आधार पर हम कैसे कह सकते है की महादेवी वर्मा एक धार्मिक महिला थीं ?

प्रश्न 6.निम्नलिखित शब्दों का वर्ण-विच्छेद करें –विद्यार्थी, चाँदनी

प्रश्न 7.निम्नलिखित में उचित शब्दों पर अनुस्वार और अनुनासिक का प्रयोग करें– हिदू, अगूर, धधा, गतिविधिया|

प्रश्न 8.निम्नलिखित उपसर्गों एवं प्रत्ययों से क्रमशः एक-एक शब्द बनाएँ– इत, दार|

प्रश्न 9.निम्नलिखित में से उचित शब्दों में उचित स्थान पर नुक्ता का प्रयोग करें- पंकज, शराफत, कफन, जमुना

प्रश्न 10.किसी पसिद्ध छाते का विज्ञापन तैयार करें |

प्रश्न 11.आपके नाना-नानी दूसरे शहर में अकेले रहते है | उन्हें छुट्टियों में अपने साथ रहने का अनुरोध करते हुए पत्र लिखिए |

****

आर्मी पब्लिक स्कूल,बिन्नागुड़ी,

प्रथम इकाई परीक्षा अभ्यासपत्र : (2018-19)

विषय:- हिंदी

कक्षा:- 9वीं

सेट-4

समय:-90 मिनट **पूर्णांक:-40**

प्रश्न 1.निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखें -

भारत में ऋतुओं से संबंध रखनेवाले त्योहारों की कमी नहीं हैं | वसंत पंचमी, होली, श्रावण तीज, शरद पूर्णिमा, लोहड़ी, पोंगल, बैसाखी आदि त्योहार किसी-न-किसी रूप में सारे देश में मनाए जाते हैं | सभी जानते हैं कि इनका संबंध विशेष ऋतुओं से ही ही है | वसंत पंचमी और होली वासंती रंग और मस्ती के त्योहार हैं | श्रावण तीज मस्ती के प्रतीक झूलों का त्योहार है | शरद पूर्णिमा वर्षा ऋतु के बाद वायुमंडल और वातावरण की निर्मलता का संदेश देनेवाला त्योहार है | लोहड़ी और पोंगल शीत-ऋतु की भरपूरता में मनाए जानेवाले त्योहार हैं | इसमें रेवड़ी, मूँगफली , तिल-गुड़, घी-खिचड़ी आदि खाने की परंपरा है, वास्तव में यह सरदी से बचाव और स्वास्थ्य-सुधार का उपाय है; यद्यपि कुछ धार्मिक-आध्यात्मिक बातें, कथाएँ और परंपराएँ भी इनके साथ जुड़ गई हैं | बैसाखी गेहूँ की नई फ़सल आने और ऋतु-परिवर्तन की सूचना देनेवाला त्योहार है, जो पंजाब-हरियाणा जैसे कृषि-प्रधान प्रांतों में विशेष सज-धज तथा नृत्य-गान की मस्ती के साथ मनाया जाता है | इनके अतिरिक्त भी लोग ऋतुओं से संबंधित स्थानीय स्तर के त्योहार मानते हैं | सभी में मेल-मिलाप, आनंद-मौज की प्रधानता रहा करती है |

इस प्रकार भारत में पारिवारिक, सामाजिक संबंधों का महत्त्व बतानेवाले कुछ त्योहार भी बड़े चाव, बड़ी धूमधाम से मनाए जाते हैं | रक्षाबंधन और भैया दूज यदि भाई-बहन के स्नेहपूर्ण रिश्ते को प्रकट करनेवाले हैं, तो करवा चौथ पति-पत्नी के पावन संबंधों को महत्त्व देनेवाला त्योहार है |

(क).भारत में ऋतुओं से संबंध रखनेवाले कौन-कौन से त्योहार हैं ? **(ख).** शरद पूर्णिमा का त्योहार क्या संदेश देता है ?

(ग).भारत में पारिवारिक, सामाजिक संबंधों के महत्त्व को बतानेवाले त्योहार कौन-कौन से हैं ?

(घ).रक्षाबंधन और करवा चौथ किन संबंधों को प्रकट करनेवाले त्योहार हैं ? **(ङ).**कृषि-प्रधान प्रांतों में कौन-सा त्योहार मनाया जाता है ?

प्रश्न 2.निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर में लिखिए:

मैं रथ का टूटा हुआ पहिया हूँ लेकिन मुझे फेंको मत ! क्या जाने कब इस दुरूह चक्रव्यूह में अक्षौहिणी सेनाओं को चुनौती देता हुआ कोई दुस्साहसी अभिमन्यु आकर घिर जाय		अपने पक्ष को असत्य जानते हुए भी बड़े-बड़े महारथी अकेली-निहत्थी आवाज को अपने ब्रह्मास्त्रों से कुचल देना चाहें तब मैं रथ का टूटा हुआ पहिया उसके हाथों में ब्रह्मास्त्रों से लोहा ले सकता हूँ	मैं रथ का टूटा हुआ पहिया हूँ लेकिन मुझे फेंको मत इतिहास की सामूहिक गति सहसा झूठी पड़ जाने पर क्या जाने सच्चाई टूटे हुए पहियों का आश्रय ले

(क). रथ का टूटा पहिया स्वयं को न फेंके जाने की सलाह क्यों देता है ? **(ख).** दुरूह चक्रव्यूह का महाभारत के संदर्भ में क्या आशय है ?

(ग). कवि ने अभिमन्यु को दुस्साहसी क्यों बताया है ? **(घ).** 'अकेली-निहत्थी आवाज' का क्या तात्पर्य है ?

(ङ). 'ब्रह्मास्त्रों से लोहा लेना' का भाव स्पष्ट करें |

प्रश्न3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये -

(क). रैदास जी ने ईश्वर के प्रति भक्ति का कौन-सा सच्चा मार्ग दिखाया है ? **(ख).** रहीम ने पानी का प्रयोग किन-किन संदर्भों में किया हैं ?

(ग). रहीम के अनुसार दूसरों की सहायता कब फलीभूत होती है ?

प्रश्न 4.निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये -

(क). धूल पाठ का मूल भाव क्या है ? **(ख).** भगवाना किस तरह अपने परिवार का निर्वाह करता था ?

(ग). 'दुःख का अधिकार' पाठ में अगर आप लेखक की जगह होते तो बुढ़िया की निंदा करने वालों को क्या समझाते ?

प्रश्न 5.'गिल्लू' पाठ के आधार पर बताएँ कि गिल्लू भी महादेवी को बहुत स्नेह करता था?

प्रश्न 6.निम्नलिखित शब्दों का वर्ण-विच्छेद करें – अभिव्यंजना, द्वाररक्षक

प्रश्न 7.निम्नलिखित में उचित शब्दों पर अनुस्वार और अनुनासिक का प्रयोग करें– नही, लड़किया, मद, पच |

प्रश्न 8.निम्नलिखित उपसर्गों एवं प्रत्ययों से क्रमशः एक-एक शब्द बनाएँ – अ, दार |

प्रश्न 9.**निम्नलिखित में से उचित शब्दों में उचित स्थान पर नुक्ता का प्रयोग करें- जिला, रिलीज, रजत, अंजन**

प्रश्न 10.साक्षरता अभियान में अपने योगदान का वर्णन करते हुए पिता जी को पत्र लिखें |

प्रश्न 11.किसी स्वास्थ्यवर्धक पेय पदार्थ के लिए विज्ञापन बनाएँ |

****